दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 16 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 21

महत्वपूर्ण एवं खास

एमपी में बड़ा हादसा : ताप्ती नदी में डूबे 4 युवक, दो को बाहर निकाला, 2 की तलाश जारी

बुराहनपुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में आज रविवार को बड़ा हादासा हो गया। जहां ताप्ती नदी में 4 युवक डूब गए। जिसमें से दो युवक को रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, दो अन्य युवकों को तलाशने में एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना ताप्पी नदी के हथनूर पुल का है। बताया जा रहा है कि चारों युवक बैलों को नहलाने के लिए आए हुए थे। इस दौरान सभी गहरे पानी में डूबन गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तत्काल युवकों के तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने दो युवकों को ढूंढ निकाला। जिसमें एक युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। नदी में डूबे चारों युवक ग्राम सिरसौदा के बताए जा रहे हैं फिलहाल टीम अन्य दो युवकों को तलाशने में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार कार और ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत, सात लोगों ने तोड़ा दम

नई दिल्ली (आरएनएस)। तमिलनाडु में रविवार की सुबह तिरुवन्नामलाई जिले के चेंगम में भीषण सडक़ हादसा हुआ। कार और लॉरी की जबरदस्त टक्कर में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया। इस घटना में ट्रक ड्राइवर को मामूली चोटें आई है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। चेंगम पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के उपरांत सडक़ पर ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने कार और ट्रक को कब्जे में लेकर यातायात को सुचारू करवा दिया है।

पंजाब के फिरोजपुर में बड़ा हादसा: झूले की रस्सी टूटने से तीन बच्चे नीचे गिरे- दो की मौत

फिरोजपुर (आरएनएस)। पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां गांव दुलचीके में एक मेले में झूला झूलते समय तीन बच्चों के गले में टूटी रस्सी फंस गई, जिससे तीनों बच्चों नीचे गिर पड़े। इस दौरान झूला नहीं रुका और झूले की चपेट में आने से तीनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए, जहां दो बच्चों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक बच्चे की हालत अभी भी गंबीर बताई जा रही है। फिलहाल एक बच्चे की पहचान अमनदीप (15) पुत्र जोगिंदर सिंह निवासी कालू वाला के रूप में हुई है। हादसे के बाद झूले का मालिक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को, पीएम रहेंगे मौजूद

लखनउ (आरएनएस)। अयोध्या में बन रहे राम लला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को मृगशिरा नक्षत्र में होगी। इसी दिन दोपहर में 11 बजे कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। इस समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी के कई देशों के मेहमान भी मौजूद रहेंगे। इस प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 16 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगा। इस दिन मंदिर ट्रस्ट की ओर से नियुक्त यजमान द्वारा प्रायश्चित, सरयू नदी के तट पर दशविध स्नान, विष्णु पूजन और गोदान होगा। 17 जनवरी को मूर्ति के साथ अयोध्या धाम में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा रामनगरी के पांचकोस की परिधि में भ्रमण करेगी। 18 जनवरी को प्राणप्रतिष्ठा की विधि प्रारंभ कर दी जाएगी, जिसमें वास्तु पूजन, वरूण पूजन आदि होगा। इसी तरह 19 तारीख को अग्निस्थापना और 20 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह को सरयू से लाए गए 81 कलशों के जल से धोने के बाद वास्तु शांति और अन्नाधिवास कर्मकांड किया जाएगा। 21 जनवरी को रामलला को 125 कलशों से दिव्य स्नान कराया जाएगा। 22 जनवरी को मृगशिरा नक्षत्र में प्राणप्रतिष्ठा होगी। इसमे षोडशोपचार के बाद मूर्ति का अक्षत पूजन होगा। इसके साथ ही नए मंदिर में विराजमान रामलला की पहली आरती उतारी जाएगी।

इसरो ने दिया बड़ा अपडेट : जनवरी के मध्य तक एल-1 प्वाइंट पर पहुंचेगा आदित्य एल-1

नई दिल्ली । आरएनएस

जनवरी के मध्य तक एल-1 प्वाइंट पर पहुंचेगा आदित्य एल-1, इसरो चीफ ने मिशन गगनयान पर दिया बड़ा अपडेटसूर्य के अध्ययन के लिए 'आदित्य एल1' को धरती से 15 लाख किलोमीटर दूर 'लैग्रेंजियन-1 (एल-1) ' बिंदु तक पहुंचना है। अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपडेट दिया है कि आदित्य एल-1 जनवरी के मध्य तक लैग्रेंजियन-1 तक पहुंच जाएगा।

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ का कहना है कि यह बहुत अच्छी तरह से काम कर रहा है। वर्तमान में, पृथ्वी से एल-1 प्वाइंट तक पहुंचने में करीब 110 दिन लगते हैं। इसलिए जनवरी के मध्य तक यह एल-1 प्वाइंट तक पहुंच जाएगा। इसके बाद आदित्य एल-1 को पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर लैग्रेंजियन पॉइंट के हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। आदित्य एल-1 पर लगे पेलोड सूरज की रोशनी, प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करेंगे। बता दें, सोमनाथ तमिलनाडु के मदुरै में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

गौरतलब है कि इसरो ने दो सितंबर को पीएसएलवी सी57 लॉन्च व्हीकल से आदित्य एल1 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से हुई। यह मिशन भी चंद्रयान-3 की तरह पहले पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और फिर यह तेजी से सूरज की दिशा में उड़ान भरेगा। इसरो ने बताया था कि आदित्य एल1 ने अपनी कक्षा बदलकर अगली कक्षा में प्रवेश किया। आदित्य एल1 पृथ्वी की कक्षा में 16 दिन बिताएगा। इस दौरान पांच बार इसकी कक्षा बदलने के लिए अर्थ बाउंड फायरिंग की जाएगी।

110 दिन की यात्रा के बाद आदित्य एल1 लैग्रेंजियन-1 पॉइंट पर पहुंचेगा। ग्रेंजियन-1 पॉइंट पहुंचने के बाद आदित्य एल1 में एक और मैनुवर किया जाएगा, जिसकी मदद से आदित्य एल1 को एल1 पॉइंट के हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। यही से आदित्य एल1 सूरज की स्टडी करेगा। यह लैग्रेंजियन पॉइंट सूरज की दिशा में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। आदित्य एल1 के साथ सात पेलोड भेजे गए हैं, जो सूरज का विस्तृत अध्ययन करेंगे। इनमें से चार पेलोड सूरज की रोशनी का अध्ययन करेंगे। वहीं बाकी तीन सूरज के प्लाजमा और चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करेंगे।

इसरो चीफ ने 'गगनयान' मिशन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, गगनयान मिशन के लिए परीक्षण उड़ान 21 अक्टूबर को होगा। गगनयान कार्यक्रम के लिए क्रू एस्केप सिस्टम का प्रदर्शन करते देखने के लिए परीक्षण की आवश्यकता है। गगनयान में क्रू एस्केप सिस्टम एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रणाली है। यदि रॉकेट को कुछ भी होता है, तो रॉकेट के विस्फोट में जलने से पहले कम से कम दो किमी दूर चालक दल को ले जाकर बचाना है। इसलिए यह परीक्षण क्रू मेंबर्स के एस्केप की प्रणाली को प्रदर्शित करने के लिए है। इसे ट्रांसोनिक स्थिति कहा जाता है।

दर्दनाक हादसा : यात्रियों से भरी बस ने ट्रक को मारी टक्कर, छह महिलाओं समेत 12 की मौत

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बस के ट्रक से टकरा जाने के कारण कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की शिकार बस में कुल 35 लोग सवार थे।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात करीब 1.15 बजे हुई जब यात्री बस तीर्थयात्रा के बाद बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) होते हुए नासिक जा रही थी। अधिकारी ने कहा, 'ट्रक बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर आ रही थी और राजमार्ग के किनारे कुछ देर के लिए रुकी थी। अचानक बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में कम से कम 12 यात्रियों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए।'

पीड़ित बुलढाणा में प्रसिद्ध सैलानी बाबा दरगाह पर तीर्थयात्रा करने के बाद नासिक में अपने घरों को जा रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप बस ने पीछे से कंटेनर को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष, 6 महिलाएं और एक नाबालिग लडक़ी शामिल है।

केरल में भारी बारिश, नौ जिलों में येलो अलर्ट

तिरुवनंतपुरम ,15 अक्टूबर (आरएनएस)। राज्य के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश जारी रहने के कारण मौसम विभाग ने नौ जिलों पथानामथिट्टा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आ गई है। शहर के चक्का में तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सडक़ पूरी तरह पानी में डूब गई है और कई वाहन पानी में फंसे हुये हैं।

नई दिल्ली जाने वाले यात्री रमेश नायर ने बताया, हवाईअड्डे तक पहुंचने वाली सडक़ पर पानी भर गया है। मैं पैदल चलकर हवाईअड्डे पहुंचा। वाहन सडक़ पर फंस गए हैं और यातायात प्रभावित हुआ है। तिरुवनंतपुरम के कज़ाकूटम में प्रतिष्ठित टेक्नोपार्क परिसर, जिसमें कई सॉफ्टवेयर कंपनियां हैं, भी जलमग्न हो गया।

एक प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनी के सॉफ्टवेयर पेशेवर जॉब थॉमस ने आईएएनएस से कहा, आज हमारी कंपनी में छुट्टी है, लेकिन हमारे ऑफिस के लोगों ने मुझे बताया कि परिसर में पानी भरा हुआ है। अगर बारिश इसी तरह जारी रही तो यह हम सभी के लिए एक बड़ी समस्या पैदा कर देगी। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने रविवार को रात तक केरल तट पर ऊंची ज्वारीय लहरों और समुद्री का पानी ऊपर आने की भविष्यवाणी की है।

लोगों को समुद्र तटों पर जाने और नाव लेकर समुद्र में जाने से मना किया गया है। मछुआरों को भी समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। भारतीय मौसम विभाग ने रविवार को एक बयान में कहा कि निचले इलाकों और शहरों में जलभराव हो सकता है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सार्वजनिक और सरकारी प्रणालियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

दिवाली पर फिर बनेगा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, अयोध्या में 25 हजार वालंटियर्स जलाएंगे 24 लाख दीये

लखनऊ (आरएनएस)। लगातार छठे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए इस साल 11 नवंबर को लगभग 25,000 वालंटियर्स अयोध्या के 51 घाटों पर 24 लाख दीये जलाएंगे। अयोध्या में इस दीपोत्सव पर 21 लाख मिट्टी के दीये जलाने के लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से सरकार अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोडऩे की योजना बना रही है।

आयोजन में करीब एक लाख लीटर तेल का इस्तेमाल होगा। कार्यक्रम के आयोजक राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने 21 लाख दीये सफलतापूर्वक जलाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 24 लाख दीये लगाने का निर्णय लिया है।

अवध विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने कहा, बड़ी संख्या में दीये जल्द ही बुझ जायेंगे। एहतियात के तौर पर हम 24 लाख दीये जलाएंगे ताकि अगर दो-तीन लाख दीये बुझ जाएं तो 21 लाख दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जा सके।

अयोध्या प्रशासन इस उपलब्धि को सफलतापूर्वक हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इस मेगा इवेंट को सफल बनाने के लिए राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद और अयोध्या के सभी कॉलेजों के 25,000 से अधिक वालंटियर्स लगे हुए हैं। आयोजन के लिए अवध विश्वविद्यालय नोडल एजेंसी है।

वालंटियर्स को एक लीटर तेल की बोतल दी जाएगी। विश्वविद्यालय ने दीया जलाने के लिए सभी आवश्यक तत्वों की आपूर्ति के लिए एक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एक एजेंसी को काम पर रखा है।

दीपोत्सव पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें वालंटियर्स के लिए दीये, टी-शर्ट और स्नैक्स पर खर्च शामिल है। योगी सरकार 11 नवंबर को इस दीपोत्सव पर 21 लाख मिट्टी के दीये जलाकर छठा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखेगी। गौरतलब है कि यह एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। पिछले साल दीपोत्सव पर अयोध्या के घाटों को 15.76 लाख दीयों से रोशन किया गया था। स्वयंसेवकों ने घाटों पर बक्सों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है जहां दीये रखे जाएंगे।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व सांसद से जुड़ी 315 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली (आरएनएस)। एनसीपी के पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य ईश्वरलाल शंकरलाल जैन और उनके बेटे मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ईडी ने रविवार को कहा कि उसने राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड की 315.6 करोड़ रुपये की 70 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शनिवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने महाराष्ट्र के जलगांव, मुंबई, ठाणे और सिल्लोड और गुजरात के कच्छ सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित 70 अचल संपत्तियों और पवन चक्कियों, चांदी और हीरे के आभूषण या बुलियन और भारतीय मुद्रा जैसी चल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। सभी संपत्तियों का मूल्य 315.60 करोड़ रुपये है।

ईडी ने कहा कि कुर्क की गई चल और अचल संपत्तियों में प्रमोटर ईश्वरलाल शंकरलाल जैन लालवानी, मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी और अन्य द्वारा अर्जित बेनामी संपत्तियां शामिल हैं।

ईडी का मामला आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई द्वारा दर्ज की गई तीन एफआईआर पर आधारित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनियां और उनके निदेशक या प्रमोटर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक कदाचार के अपराधों में शामिल थे, जिससे राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आरएल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भारतीय स्टेट बैंक को 352.49 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, और उनके प्रमोटरों, निदेशकों और गारंटरों ईश्वरलाल शंकरलाल जैन लालवानी, मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी, पूसादेवी ईश्वरलाल जैन लालवानी और नीतिका मनीष जैन लालवानी को आरोपी के रूप में नामित किया गया था।

सीबीआई में दर्ज शिकायत के मुताबिक, राजमल लखीचंद ज्वैलर्स ने बैंक को 206.73 करोड़ रुपये, आरएल गोल्ड ने 69.19 करोड़ रुपये और मनराज ज्वैलर्स ने 76.57 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया।

आरोपी प्रमोटरों ने कथित तौर पर उन संपत्तियों को बेच दिया जो उनके द्वारा उधार लिए गए ऋण के लिए बैंक के पास गिरवी रखी गई थीं। आरोपियों ने बैंक की क्रेडिट सुविधाओं का दुरुपयोग किया था और फिर पैसे का इस्तेमाल पैसे उधार लेते समय उनके द्वारा बताए गए उद्देश्यों के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया था। इसके चलते आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया। ईडी ने कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि प्रमोटरों ने ऐसे ऋण लेने के लिए फर्जी वित्तीय विवरण जमा किए थे।

उन्होंने कहा, प्रमोटर कंपनियों के लेखा परीक्षकों की मिलीभगत से, रियल एस्टेट संपत्तियों में निवेश के लिए ऋण की आय को निकालने के लिए आरोपी कंपनियों के खातों की किताबों में फर्जी बिक्री खरीद लेनदेन की बुकिंग और फर्जी बिक्री खरीद लेनदेन की बुकिंग करने के लिए लेनदेन की राउंड ट्रिपिंग में भी लगे हुए थे।

इससे पहले, ईडी ने जलगांव, नासिक और ठाणे (महाराष्ट्र) में राजमल लखीचंद समूह के 13 आधिकारिक और आवासीय परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया था और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ सोने, चांदी और हीरे के आभूषण या बुलियन और नकदी में भारतीय मुद्रा जब्त की थी।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके, घरों और ऑफिसों से बाहर निकले लोग

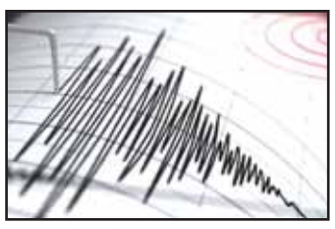

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर में रविवार दोपहर बाद भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद लगभग 4.08 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई। इसका केंद्र हरियाणा के फरीदाबाद में था जो दिल्ली की सीमा से सटा हुआ है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

भूकंप के झटके आते ही लोग अपने घरों और कार्यालयों से भागकर बाहर निकल गए। लोगों ने बताया कि उन्होंने भूकंप के तेज झटके महसूस किये। कुछ दिन पहले भी राष्ट्रीय राजधानी, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र नेपाल था। जम्मू-कश्मीर में 5.4 की तीव्रता से आया भूकंप, जम्मू संभाग का डोडा क्षेत्र केंद्र रहा।

बता दें कि धरती के अंदर 7 प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। बार-बार टकराने की वजह से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं और ज्यादा दबाव बनने की वजह से प्लेट्स टूटने लगती हैं। जिसके बाद धरती के अंदर की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और इसी उथल-पुथल के बाद भूकंप आता है।

कमजोर मानसून के कारण कृषि क्षेत्र हुआ बुरी तरह प्रभावित, जलाशयों का गिरा स्तर

नई दिल्ली । भारत के कृषि क्षेत्र को दक्षिण-पश्चिम मानसून से काफी नुकसान हुआ है। खड़ी फसले इससे काफी प्रभावित हुई हैं, साथ ही इस साल दलहन और तिलहन जैसी प्रमुख फसलों के तहत बोए गए क्षेत्र में भी कमी आई है।

देश का आधे से अधिक कृषि क्षेत्र फसल उगाने के लिए बारिश पर निर्भर करता है। इससे आगे और अधिक परेशानी हो सकती है क्योंकि अंतर को भरने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब महंगे आयात का सहारा लेना पड़ सकता है।

कम बारिश के कारण दालों की खेती का रकबा करीब 9 फीसदी कम हो गया है, जबकि सूरजमुखी का रकबा 65 फीसदी तक गिर गया है। उड़द, मूंग और अरहर जैसी दालों का रकबा पिछले साल

की समान अवधि की तुलना में 5.41 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। इसी तरह तिलहन का रकबा 3.16 लाख हेक्टेयर कम हो गया है।

इस साल राज्यों में लगभग 8.68 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ या भारी वर्षा से प्रभावित होने की सूचना है। खरीफ फसलों की कटाई शुरू हो गई है और आने वाले हफ्तों में कुल उत्पादन में नुकसान की सीमा स्पष्ट हो जाएगी।

जून में मानसून देरी से शुरू हुआ, जिसके बाद जुलाई में अधिक बारिश हुई, उसके बाद अगस्त में कमी हुई और फिर सितंबर में पंजाब और हरियाणा जैसे देश के कुछ हिस्सों में फिर से अधिक बारिश हुई, जिससे खड़ी फसल पर असर पड़ा। इसके चलते सब्जियों, खासकर टमाटर और प्याज की कीमतों में भारी वृद्धि हुई, जिससे मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई और घरेलू बजट बढ़ गया।

किसानों की आय में गिरावट का उद्योग पर भी व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले ट्रैक्टरों और हीरो मोटोकॉर्प और बजाज जैसी ऑटो प्रमुखों द्वारा विपणन किए जाने वाले दोपहिया वाहनों की मांग में कमी आई है, जो हाल के महीनों में मासिक बिक्री संख्या में गिरावट से परिलक्षित होता है।

खरीदे जाने वाले ट्रैक्टरों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। सरकार के वाहन पोर्टल में संकलित आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2023 में फार्म ट्रैक्टरों के केवल 49,007 पंजीकरण हुए, जो अगस्त में 68,431 और जुलाई में 84,473 थे।

चावल, गेहूं, दालों और मसालों की बढ़ती कीमतें चिंता का कारण बनकर उभरी हैं। खुदरा मुद्रास्फीति के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों और खाना पकाने के तेल की कीमतों में गिरावट के कारण सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 6.56 प्रतिशत हो गई है, लेकिन दालों की कीमतें 16.38 प्रतिशत बढ़ गईं, जबकि मसालों की कीमतें 23.06 प्रतिशत बढ़ गईं। अनाज की कीमतें 10.95 फीसदी बढ़ गईं।

सरकार ने गेहूं और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए भी हस्तक्षेप किया। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है जिससे किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है क्योंकि उनकी कमाई में गिरावट देखी गई है। इन दुर्लभ वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए खाद्य तेल और दालों पर आयात शुल्क भी कम किया गया है।

कृषि क्षेत्र के भविष्य पर प्रभाव डालने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण कारक पानी की मात्रा है जो वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों के जलाशयों में उपलब्ध है। भारत की लगभग 80 प्रतिशत बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान होती है जिससे देश के जलाशय भी भर जाते हैं। इनका उपयोग अगले कृषि मौसम के दौरान सिंचाई के लिए किया जाता है।